Shri Banke Bihari Teri Aarti Gaun Aarti Lyrics in Hindi English

Shri Banke Bihari Teri Aarti Gaun Aarti Lyrics in Hindi

श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं,
हे गिरिधर तेरी आरती गाऊं ।
आरती गाऊं प्यारे आपको रिझाऊं,
श्याम सुन्दर तेरी आरती गाऊं ।
॥ श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं..॥

मोर मुकुट प्यारे शीश पे सोहे,
प्यारी बंसी मेरो मन मोहे ।
देख छवि बलिहारी मैं जाऊं ।
॥ श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं..॥

चरणों से निकली गंगा प्यारी,
जिसने सारी दुनिया तारी ।
मैं उन चरणों के दर्शन पाऊं ।
॥ श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं..॥

दास अनाथ के नाथ आप हो,
दु:ख सुख जीवन प्यारे साथ आप हो ।
हरी चरणों में शीश झुकाऊं ।
॥ श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं..॥

श्री हरीदास के प्यारे तुम हो ।
मेरे मोहन जीवन धन हो।
देख युगल छवि बलि बलि जाऊं ।
॥ श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं..॥

श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं,
हे गिरिधर तेरी आरती गाऊं ।
आरती गाऊं प्यारे आपको रिझाऊं,

श्याम सुन्दर तेरी आरती गाऊं ।

Shri Banke Bihari Teri Aarti Gaun Aarti Lyrics in English

About Shri Banke Bihari Teri Aarti Gaun Aarti in English

“Shri Banke Bihari Teri Aarti Gaun” is a devotional hymn dedicated to Lord Krishna, sung with deep reverence and love. The aarti praises Lord Krishna as the beloved “Banke Bihari” and “Giridhari,” highlighting his divine qualities and beauty. The song begins by expressing the devotee’s intention to sing the aarti to please Lord Krishna, describing him as the charming Shyam Sundar.

The hymn beautifully portrays Lord Krishna adorned with a peacock feather crown and playing his enchanting flute, which captivates the hearts of his devotees. It also praises his holy feet, which are believed to have the divine power to purify the world, with references to the Ganga flowing from them. The devotee expresses a deep yearning to experience the sight of Lord Krishna’s divine feet.

The aarti further emphasizes Krishna’s role as the protector and savior of his devotees, referring to him as the Lord of the forsaken and the one who brings both joy and comfort. The lyrics also reflect the intimate devotion of Lord Krishna’s followers, expressing their desire to be immersed in his divine presence. Through this aarti, devotees seek Krishna’s blessings for a life filled with peace, love, and divine grace.

About Shri Banke Bihari Teri Aarti Gaun Aarti in Hindi

“श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं” एक भक्ति गीत है जो भगवान श्री कृष्ण के प्रति गहरी श्रद्धा और प्रेम का प्रतीक है। इस आरती में भगवान कृष्ण के “बांके बिहारी” और “गिरिधर” के रूपों की महिमा का वर्णन किया गया है। आरती में भगवान कृष्ण की आकर्षक छवि को पूजा जाता है, जिसमें उन्हें मोर मुकुट पहनने और बंसी बजाने के रूप में चित्रित किया गया है।

यह आरती भगवान कृष्ण के चरणों की पूजा करती है, जिन्हें देवी गंगा के समान पवित्र माना जाता है। भक्त इस आरती के माध्यम से भगवान कृष्ण के चरणों के दर्शन की कामना करते हैं। आरती में भगवान कृष्ण को जीवन के दुखों और सुखों के साथी के रूप में चित्रित किया गया है, जो अपने भक्तों के साथ हर पल रहते हैं।

श्री कृष्ण के जीवन धन और उनकी युगल छवि का वर्णन करते हुए आरती में भक्तों की भगवान के प्रति गहरी भक्ति और प्रेम को दर्शाया गया है। यह गीत भगवान कृष्ण के प्रति समर्पण और आस्था को प्रकट करता है, और भक्त उनके आशीर्वाद के लिए उनके चरणों में सिर झुकाते हैं। "श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं" का गायन भक्तों को मानसिक शांति और दिव्य कृपा प्राप्त करने का माध्यम बनता है।